हिन्दी पाठ्यक्रम - 'ए'
(कोड सं. - 002)
कक्षा - 10

संकलित परीक्षा 1 (एस 1) हेतु भार विभाजन (**अप्रैल-सितम्बर**)		**कुल भार %**
विषयवस्तु	**अंक**	
अपठित बोध	20	20%
व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	30	
लेखन	10	
फॉरमैटिव परीक्षा (**एफ–1 व एफ 2**)		20%
कुल भार		40%

संकलित परीक्षा 2 (एस 2) हेतु भार विभाजन (**अक्टूबर– मार्च**)		**कुल भार %**
विषयवस्तु	**अंक**	
अपठित बोध	20	40%
व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	30	
लेखन	10	
फॉरमैटिव परीक्षा (**एफ–3 व एफ 4**)		20%
कुल भार		60%

टिप्पणी:

1. **संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा फॉरमैटिव परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। फॉरमैटिव परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग(संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत फॉरमैटिव मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा ।** इसमें बोलने, सुनने, लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित परीक्षण किया जा सकता है।

2. **संकलित परीक्षा एक (एस-1) 80 अंकों की होगी।** 80 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 20 अंकों में से परिवर्तित कर लिया जाएगा तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा **संकलित परीक्षा दो (एस-2) 80 अंकों की होगी व** 80 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 40 अंकों में से परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

संकलित परीक्षाओं हेतु विभाजन

खण्ड	विभाग	अंक	कुल अंक
क.	1. अपठित गद्यांश–बोध	5**X**2=10	20
	2. अपठित पद्यांश–बोध	5**X**2=10	
ख.	व्याकरण	5**X**4=20	20
ग.	पाठ्यपुस्तक – क्षितिज भाग–1	25	30
	पूरकपाठ्यपुस्तक – कृतिका भाग–1	05	
घ.	लेखन	10	10

कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ'- संकलित परीक्षाओं हेतु परीक्षा विनिर्देशन 2010-2011

खण्ड - क - अपठित गद्यांश बोध 20

दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के)

दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के)

उपर्युक्त गद्यांश व पद्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **बहुविकल्पी** प्रकार के **चार** प्रश्न पूछे जाएँगे प्रत्येक प्रश्न के **पाँच** भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा ।

खण्ड-ख : व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न संख्या 5-9 20

व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **पाँच** प्रश्न पूछे जाएँगें प्रत्येक प्रश्न के **चार बहुविकल्पी** भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा।

खण्ड-ग : पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग–2 व कृतिका भाग–2

प्रश्न संख्या 10-14 30

प्रश्न संख्या 10

क्षितिज से निर्धारित पाठों में से कोई एक गद्यांश दिया जाएगा (**विकल्प सहित**) तथा इस पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रकार का **एक प्रश्न** पूछा जाएगा तथा इस प्रश्न के **पाँच** भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा । (5**X**1)

प्रश्न संख्या 11

इस प्रश्न के **पाँच** भाग होंगे। प्रत्येक भाग **लघुउत्तरीय** प्रकार का होगा तथा प्रत्येक **भाग दो अंक** का होगा। सभी प्रश्न क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर होंगे तथा यह छात्रों की उच्च चिंतन व मनन क्षमताओं का आकलन करने हेतु पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार **दस अंक** होगा। (5**X**2)

प्रश्न संख्या 12

क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से **कोई एक** काव्यांश दिया जाएगा **(विकल्प सहित)** तथा इस पर **पाँच अति लघुउत्तरीय** प्रश्न अथवा **तीन लघुउत्तरीय** प्रश्न पूछे जाएँगे । इन प्रश्नों का कुल भार **पाँच अंक** होगा यह छात्रों की काव्य के बोध व उनकी काव्य पर स्वयं की सोच की परख करने हेतु पूछे जाएँगे । (5)

प्रश्न संख्या 13

इस प्रश्न के **दो या तीन** भाग होंगे। क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर लघुउत्तरीय/ अतिलघुउत्तरीय **दो अथवा तीन** प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्नों का आधार छात्रों का काव्य बोध परखने पर होगा । इस प्रश्न के कुल अंक **पाँच** होंगे। (5)

प्रश्न संख्या 14

कृतिका से निर्धारित पाठों पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, पर **पाँच** अंक का **दो में से एक** निबंधात्मक प्रश्न पूछा जाएगा जो छात्रों का सामाजिक जीवन से जुडी जीवंत समस्याओं के प्रति उनके दृष्टिकोण व उच्च स्तरीय विचार कौशलों के परीक्षण हेतु बनाए जाएँगे। (5)

खण्ड-घ : लेखन

प्रश्न संख्या 15-16 **(10)**

प्रश्न संख्या 15

समसामयिक विषयों पर **दो में से एक** निबन्ध **(5 अंक)** पूछा जाएगा। इसमें विचारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति, भाषा की सफाई आदि पर अंक निर्धारण किया जाएगा। (5)

प्रश्न संख्या 16

वास्तविक जीवन से संबंधित विषयों पर **दो में से एक** पत्र **(5 अंक)** का पूछा जाएगा। इसमें विचारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति, भाषा की सफाई आदि पर अंक निर्धारण किया जाएगा। (5)

कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ'- संकलित एवं फॉरमैटिव परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन

क्रम० स०	पाठ्य पुस्तक	प्रथम सत्र (अप्रैल से सितम्बर)			द्वितीय सत्र (अक्तूबर से मार्च)		
	क्षितिज भाग-2 गद्य खण्ड	**FA I 10**	**FA2 10**	**SA I 20**	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 40**
10	स्वयं प्रकाश-नेताजी का चश्मा	✓		✓			
11	रामवृक्ष बेनीपुरी-बालगोबिन भगत	✓		✓			
12	यशपाल-लखनवी अंदाज		✓	✓			
13	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना-मानवीय करूणा की दिव्य चमक				✓		✓
14	मन्नू भंडारी-एक कहानी यह भी				✓		✓
15	महावीर प्रसाद द्विवेदी-स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन				✓		✓
16	यतींद्र मिश्र-नौबत खाने में इबादत					✓	✓
17	भदंत आनंद कौसल्यायन-संस्कृति					✓	✓
	काव्य खंड	**FA I 10**	**FA2 10**	**SA I 20**	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 40**
1	सूरदास-ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी....	✓		✓			
2	तुलसी दास-राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद				✓		✓

3	देव-पाँयनि नुपुर मंजू बजै...	✓		✓			
4	जयशंकर प्रसाद -आत्मकथ्य		✓	✓			
5	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'-उत्साह अट नहीं रही है		✓	✓			
6	नागार्जुन-यह दंतुरित मुसकान, फसल				✓		✓
7	गिरिजा कुमार माथुर- छाया मत छूना मन				✓		✓
8	ऋतु राज - कन्यादान					✓	✓
9	मंगलेश डबराल- संगतकार					✓	✓
	कृतिका	**FA I 10**	**FA2 10**	**SA I 20**	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 40**
1	शिवपूजन सहाय- माता का आँचल	✓		✓			
2	कमलेश्वर-जॉर्ज पंचम की नाक		✓	✓			
3	साना-साना हाथ जोड़ि- मधु कांकरिया				✓		✓
4	एही ढैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा - शिव प्रसाद मिश्र 'रुद्र'					✓	✓
5	मैं क्यों लिखता हूँ-अज्ञेय					✓	✓

क्रम० सं०	पाठ्य पुस्तक	प्रथम सत्र (अप्रैल से सितम्बर)			द्वितीय सत्र (अक्तूबर से मार्च)		
	व्याकरण	**FA I 10**	**FA2 10**	**SA I 20**	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 40**
1	क्रिया-भेद, अकर्मक/सकर्मक, मुख्य क्रिया, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया	✓		✓			
2	विशेषण और क्रिया विशेषण		✓	✓			
3	पद-परिचय				✓		✓
4	वाक्य भेद: रचना के अनुसार, रचनान्तरण				✓		✓
6	वाच्य परिवर्तन					✓	✓
7	अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, तथा मानवीकरण					✓	✓

पुस्तकें

1. पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग-2
2. पूरक पुस्तक कृतिका-भाग-2

टिप्पणी:

1. *फॉरमैटिव मूल्यांकन का अभिप्राय अधिगम के मूल्यांकन से है। इसलिए विद्यालय उपर्युक्त विभाजन का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकते हैं।*
2. *फॉरमैटिव मूल्यांकन से संबधित सभी कार्यकलाप जैसे विभिन्न प्रकार के शैक्षिक खेल, पहेली, प्रतियोगिता, परियोजना (Project), भूमिका निर्वहन (Roleplay), कहानी लेखन, नाट्य रचनांतरण (Dramatisation), आदि **कक्षा में** अथवा **विद्यालय में** करवाये जाने वाले कार्यकलाप हैं। यदि कोई ऐसा कार्यकलाप है जिसमें विद्यालय से बाहर जाकर कार्य करने की आवश्यकता पड़ती है तो ऐसी स्थिति में यह कार्य शिक्षक के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में होने चाहिए।*